हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 जुलाई 2025

11 अग्रवाल वैश्य समाज की महिला विंग ने मनाया...

12 मोहल्ला सराय से स्टेट हाईवे-148बी तक 37.40 लाख से बनेगी सड़क

॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
MR DEGREE COLLEGE
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य मंत्री आज सुनेंगी शिकायतें

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 21 जुलाई को अटेली विधानसभा के गांव बाघोत, स्याना व सेहलंग में बैठक कर आमजन की शिकायतें सुनेगी। यह जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि 21 जुलाई को सुबह 9:30 बजे गांव बाघोत, 10:15 बजे स्याना व 11 बजे सेहलंग में बैठक कर आमजन की शिकायतें सुनेगी।

अनुबंधित कर्मचारियों का प्रदर्शन आज

कनीना। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के कर्मचारियों की ओर सोमवार को हिसार के विद्युत सदन में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रधान खुशीराम ने बताया कि कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर इस प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मोहनलाल, बलवीर यादव, सरजीत खटाना सहित सभी पदाधिकारी पिछले समय से जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व 28 व 29 जून को मोरनी में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई थी।

भौड़ी में शिवरात्रि पर जागरण व भंडारा 23 को

मंडी अटेली। शिवरात्रि के उपलक्ष्य पर 23 जुलाई को शंकर भोले का चौथा जागरण व भंडारा गांव भौड़ी में होगा। ग्रामवासियों की तरफ से होने वाले जागरण व भंडारे में ईश्वर सिंह अहरोदिया, सोनू गुप्ता, संजय शर्मा, राजू रंगीला, प्रेमदीप सोठवाल शिव भोले की महिमा का गुणगान करेंगे। इस मौके पर चिराग झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

नीरज क्लीनिक पर आज से लगेगा कैंप

नारनौल। रेवाड़ी रोड पर सरस्वती गार्डन के नजदीक नीरज क्लीनिक पर 21 जुलाई से 27 जुलाई तक प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक साप्ताहिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। चिकित्सा कैंप के आयोजक डा. नीरज यादव व डा. मंजू यादव ने बताया कि माइग्रेन, स्पाईन, निज्वाईंट केयर सेंटर के तत्वावधान में यह चिकित्सा कैंप कैलाश नगर गली नंबर 4 के आखिर में एक निजी मकान में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कैंप में असाध्याय रोग जैसे सिरदर्द, कमर व घुटनों के दर्द, नसों के दर्द आदि से परेशान रोगियों का उपचार किया जाएगा।

फौजी के घर का बिजली बिल आया 2.37 लाख रुपये, जुलाई में और बढ़ी राशि

- परेशान फौजी की पत्नी बिजली निगम अधिकारियों के लगा रही चक्कर, फिर भी ठीक नहीं किया जा रहा बिल
- बिजली निगम के अधिकारी बोले, नियमों के अनुसार सही राशि का भेजा गया है बिल, यह भरना ही होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में एक फौजी की पत्नी के नाम से लगे बिजली के मीटर का एक माह का बिल दो लाख 27 हजार रुपये आया है। इससे परेशान महिला बिजली दफ्तर के चक्कर काट रही है, मगर उसकी समस्या का कोई समाधान नहीं हो रहा है। वहीं बिजली निगम के अधिकारियों का कहना है कि उसके नाम से तीन मीटर लगे हुए हैं और जो भी बिल आया है, वह गलत नहीं है। नियम अनुसार जो राशि बनती है, वही बिल में है। कमाल की बात यह है कि निगम ने उक्त बिल ठीक करने की बजाय वर्तमान में चल रहे जुलाई माह में इसकी राशि और भी बढ़ाकर दो लाख 43 हजार रुपये कर दी है। ऐसे में महिला एवं उसके परिवार को दिन में तारे नजर आने लगे हैं।

जानकारी मुताबिक शहर के मोहल्ला केशव नगर गली नंबर एक की रहने वाली नीतू ने बताया कि उसका पति फौज में है। उन्होंने यहां पर एक छोटा सा मकान बनाया हुआ है, जिसमें दो कमरे, रसोई, बरामदा वगैरा बना है। इस मकान का बिजली का अप्रैल में बिल 500 रुपये आया था, जो उन्होंने अप्रैल माह में ही भर दिया था। इसके बाद मई माह में भी पांच सो रुपये भरे। मगर अब जून माह का उनके पास जो बिल आया, वह दो लाख 27 हजार रुपये का आया। ऐसे में बिल देखकर वह बड़ी परेशान रही। पीड़ित महिला ने कहा कि कभी 1200 रुपये से ज्यादा का बिल नहीं भरा। उन्होंने बताया कि वह समय-समय

बिजली मीटर

फौजी की पत्नी नीतू

पर पूरा बिल ऑनलाइन जमा कराते रहे हैं। इसके तहत उन्होंने गत वर्ष जून माह में 1259 रुपये, जुलाई 2024 में 671 रुपये, अगस्त में 421 रुपये, सितंबर में 309 रुपये, अक्टूबर में 379 रुपये, नवंबर में 441 रुपये, दिसंबर में 170 रुपये, वहीं जनवरी 2025 में 462 रुपये, फरवरी में 300 रुपये, मार्च में 374 रुपये, अप्रैल में 500 रुपये तथा मई में 500 रुपये का बिल जमा कराया था। नीतू ने बताया कि गत नौ मई को बिल भरने के बाद उसके पास दस मई से दस जून तक का 559 यूनिट का बिल आया है। 559 यूनिट का 14 रुपये के हिसाब से 8023 रुपये का बिल बनता है, मगर बिल में दो लाख पांच हजार 70 रुपये का एसओपी चार्ज लगाया गया है। इसके अलावा अन्य चार्ज मिलाकर पूरा बिल दो लाख 27 हजार 567 रुपये का बनाया गया है। नीतू ने बताया कि बिल ठीक करवाने के लिए वे कई बार निगम कार्यालय के चक्कर काट चुकी है, मगर बिल ठीक नहीं हुआ है। ठीक करने की बजाय निगम ने जुलाई माह में इसकी राशि और भी बढ़ाकर दो लाख 43 हजार रुपये कर दी है।

यह कहते हैं अधिकारी

दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम (नारनौल सिटी) के एसडीओ मोहम्मद अजहरुद्दीन ने बताया कि निगम द्वारा भेजा गया बिजली का बिल सही है। उक्त महिला ने 2018 में बिजली के नए मीटर के लिए एप्लाई किया था। तब उसने परमानेंट कनेक्शन के लिए एप्लाई किया था। इसके बाद महिला ने टंपरेरी कनेक्शन के लिए एप्लाई किया। तब निगम द्वारा इनको टंपरेरी कनेक्शन दे दिया गया। इसके बाद इनका मार्च 2021 से इनका बिल पेंडिंग चला आ रहा था। मई 2025 में निगम ने नियमानुसार जो गाइड लाइन चल रही थी, उस हिसाब से इनकी रीडिंग को देखकर बिल को सही कर दिया। जो बिल लगभग दो लाख 27 हजार का बना, जो निगम के नियमानुसार सही है। इसमें करेक्शन की कोई गुंजाइश नहीं है।

26 व 27 को कॉमन इलीजीबलिटी टेस्ट, जिसके लिए की जा रही है तैयारी

सीईटी परीक्षा में इस बार मिलेगी बसों की मुफ्त यात्रा की सुविधा, 800 बसों की तैयारी

- जिले के छह बस स्टैंडों नारनौल, महेंद्रगढ़, कनीना, अटेली, नांगल चौधरी, सतनाली से दादरी एवं रेवाड़ी जिलों में परीक्षा केंद्रों के लिए होंगी बसें रवाना

राजकुमार ⏭ नारनौल

इसी माह 26 व 27 जुलाई को प्रस्तावित कॉमन इलीजीबलिटी टेस्ट (सीईटी) यानि सामान्य पात्रता परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी। इस परीक्षा के लिए नारनौल डिपो से करीब 800 बसों का चयन किया जा रहा है, जिनमें रोडवेज, स्कूल एवं प्राइवेट बसें शामिल हैं। इन बसों द्वारा परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक लाने-ले-जाने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए नारनौल डिपो प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर रखी हैं।

गौर हो कि सीईटी परीक्षा आने वाली 26 व 27 जुलाई को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा दूसरे शहरों में देने जाने परीक्षार्थियों को उनके गांव या नजदीकी स्टैंड से बस मिलेगी, जिससे वह बिना किसी परेशानी के सफर कर परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकेंगे। वहीं दूसरे शहरों से यहां आने वाले परीक्षार्थियों को नारनौल और महेंद्रगढ़ स्थित परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए भी बसों की व्यवस्था की जाएगी। यह परीक्षा यात्रा मुफ्त होगी और परीक्षार्थियों को इसके लिए कोई किराया अदा नहीं करना पड़ेगा। प्रदेश सरकार के निर्णय के अनुसार इस बार परीक्षार्थियों को गांव के आसपास से ही बस की सुविधा मिलेगी। छात्रों की संख्या और आवश्यकता के अनुसार बसों की संख्या घटाई व बढ़ाई भी जा सकती है। इस परीक्षा के मद्देनजर कई मार्गों पर बसों के संचालन में कटौती की जाएगी। छोटे रूट और कुछ लंबे रूट पर निजी बसों का संचालन भी किया जा सकता है, ताकि हरियाली तीज के अवसर पर लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

नारनौल। बस स्टैंड पर खड़ी रोडवेज बसें। फोटो : हरिभूमि

छह स्थानों से मिलेंगी बसें

सीईटी परीक्षा के लिए जिलेभर में लगभग 800 बसों की व्यवस्था की जा रही है। हरियाणा रोडवेज की 100 बसें इस कार्य में लगी रहेंगी, जबकि आरटीए ने 695 बसों की व्यवस्था करने का भरोसा दिया है। इनके अलावा 40 अन्य बसों की भी तैयारी रहेगी। यह बसें छह बस स्टैंडों से रवाना होंगी, जिनमें नारनौल, महेंद्रगढ़, कनीना, अटेली, नांगल चौधरी एवं सतनाली बस स्टैंड चयनित किए गए हैं।

रवानगी का समय

जिला महेंद्रगढ़ के परीक्षार्थियों के लिए सीईटी के परीक्षा केंद्र दो पड़ोसी जिलों रेवाड़ी एवं दादरी में बनाए गए हैं। यह परीक्षा दो दिनों 26 व 27 जुलाई को दो सत्रों प्रातःकालीन एवं सायंकालीन में आयोजित की जाएगी। प्रातःकालीन सत्र के लिए बसें उक्त स्थानों से प्रातःकाल 4:30 बजे से 6:15 के बीच रवाना होंगी। जबकि सायंकालीन सत्र के लिए प्रातः 9:30 बजे से 10:30 बजे का समय निर्धारित किया गया है। इस अवधि में ही परीक्षार्थियों को नजदीकी बस स्टैंड पर पहुंचना होगा, जहां से बसें भरने के बाद उन्हें रवाना कर दिया जाएगा। परीक्षा खत्म होने उपरांत निर्धारित स्थान पर वही बसें पुनः तैयार मिलेंगी।

एडवांस बुकिंग की भी है सुविधा

इस परीक्षा के लिए मुफ्त बस सेवा के मद्देनजर छात्रों को एडवांस बुकिंग की भी सुविधा प्रदान की गई है। एडवांस बुकिंग के अनुसार रोडवेज प्रबंधन द्वारा बनाए गए रूट पर बसों का संचालन किया जाएगा। छात्रों को बुकिंग के लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट har-trans.gov.in पर एडवांस बुकिंग फॉर सीईटी-2025 पर जाकर अपना विवरण भरना होगा, जैसे नाम, रोल नंबर, परीक्षा केंद्र और यात्रा आदि। इसके बाद छात्रों को बुकिंग कन्फर्मेशन को डाउनलोड करके प्रिंट आउट अपने पास रखना होगा।

हरियाली तीज है 27 को

इस बार हरियाली तीज का पर्व 27 जुलाई को मनाया जाएगा। हरियाली तीज पर भी बहनों का ससुराल से अपने मायके आना-जाना खूब लगा रहता है। ऐसे में बहनों को बस सुविधा मिलने में परेशानी आ सकती है। हालांकि बहनों के लिए भी बसों की व्यवस्था करने की बात अधिकारियों द्वारा कही जा रही है।

यह कहते हैं अधिकारी

सीईटी परीक्षा में रोडवेज की बसें उपलब्ध कराने बार आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त हो चुके हैं। आज शाम को भी वीसी है। नारनौल डिपो में इस समय करीब 150 बसें उपलब्ध हैं, जिनमें लगभग 100 बसों का चयन किया गया है। इन बसों के अलावा आरटीए की भी ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षार्थियों को नजदीकी बस स्टैंड पर निर्धारित अवधि के दौरान पहुंचना होगा। —ब्रह्मप्रकाश, मुख्य निरीक्षक रोडवेज डिपो, नारनौल

तापमान में हल्की बढ़त से छुटाने लगे पसीने

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली के दक्षिणी हिस्सों में राजस्थान पर पहुंचने वाले डिप्रेशन व कम दबाव के क्षेत्र से मानसून टर्फ हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर न होते हुए भी लगातार मानसून बारिश की गतिविधियों को दर्ज किया गया। दक्षिणी व पश्चिमी जिलों में इस सीजन मानसून बारिश सामान्य से अधिक दर्ज हुई है, जबकि हरियाणा के उत्तरी व पूर्वी जिलों में सामान्य तथा सामान्य से नीचे बारिश दर्ज हुई है। जल्द ही हरियाणा के उत्तरी व पूर्वी जिलों में झमाझम बारिश की संभवना है।

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में रविवार को बादलों की आवाजाही व तेज गति से हवाएं चली। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं, लेकिन तापमान में हल्की बढ़त देखने को मिली। हालांकि रविवार को भी मौसम प्रणाली डिप्रेशन राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों पर बने होने के कारण मानसून टर्फ राजस्थान पर बनी हुई हैं। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया जैसे ही राजस्थान पर बना डिप्रेशन रविवार रात को कमजोर पड़ेगा और पंजाब पर बना एंटी साइक्लोन भी कमजोर पड़ेगा। वैसे ही 21 जुलाई को मानसून टर्फ हरियाणा पर पहुंचने की संभावना बन रही है, क्योंकि एक नया पश्चिमी विक्षोभ 21 जुलाई को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से पंजाब पर एक चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने की संभावना बन रही है। जिसकी वजह से मानसून टर्फ राजस्थान से हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर आने की प्रबल संभावना है। जिसकी वजह से हरियाणा के उत्तरी व पूर्वी जिलों में 21 से 23 जुलाई के दौरान अच्छी बारिश की संभावना है।

जुलाई महीने के अंत व अगस्त महीने की शुरुआत में मानसून सुस्त रहने की संभावना

इस मौसम प्रणाली से उत्तरी मैदानी राज्यों विशेषकर पंजाब हरियाणा एनसीआर दिल्ली व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में अच्छी बारिश की संभावना बन रही है। इस दौरान पर्वतीय क्षेत्रों पर जाने से परहेज करें। इसके अलावा 24 जुलाई को एक नया कम दबाव का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी पर बनने से उत्तरी मैदानी राज्यों में लगातार मानसून सक्रिय रहेगा। हालांकि जुलाई महीने के अंत व अगस्त महीने की शुरुआत में मानसून सुस्त रहने की संभावना है। केवल आंशिक बादलवाही व तापमान में हल्की बढ़त से उमसभरी पसीने छुटाने वाली गर्मी से आमजन को रूबरू होना पड़ेगा। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन व रात का तापमान क्रमशः 34.5, 24.5 डिग्री सेल्सियस व 34.0, 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बागोत में कांवड़ मेला शुरू, जिला प्रशासन ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था की कमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

कनीना सब डिवीजन के गांव बागोत स्थित बाघेश्वर धाम में सावन माह की त्रयोदशी के दिन 23 जुलाई को आयोजित होने वाले विशाल कांवड़ मेले में सुरक्षा व्यवस्था को को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल ली है। हालांकि मेला भी रविवार से प्रारंभ हो चुका है। जिस पर ड्यूटी मैजिस्टेट सहित पुलिस कर्मचारी नजर रख रहे हैं। रविवार को शिवभक्तों की ओर से प्राकृतिक स्वंभू शिवलिंग पर सैकड़ों की संख्या में कांवड़ अर्पित की गई। माना जा रहा है कि 21 जुलाई सोमवार एकादशी को भीड़ बढ़ने की संभावना है। जिसके चलते पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

- रविवार को सैकड़ों कांवड़ हुई अर्पित
- ड्यूटी मजिस्टेट सहित पुलिस कर्मचारी रख रहे व्यवस्था पर नजर

कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत व नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल की ओर से मेला स्थल का दौरा कर ग्राम पंचायत व कर्मचारियों को जरूरी दिशानिर्देश दिए गए हैं। धाम के महंत रोशनपुरी ने बताया कि इस मेले में हजारों की संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर आते हैं तथा बाघेश्वर धाम में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। गोमुख, ऋषिकेश व हरिद्वार से

कनीना। बाघेश्वर धाम बागोत में आयोजित होने वाले मेले में कांवड़ लेकर पहुंचे शिवभक्त। फोटो : हरिभूमि

कांवड़िए अपने गांवों व बागोत पहुंच चुके हैं। कनीना ब्लाक के गांव गुढ़ा से शिवभक्त कांवड़िए विजय कुमार शर्मा, पूनम चंद शर्मा, दलीप सिंह, नरेश शर्मा, जोनी, बव्वा के विद्यानंद व राजीव यादव, प्रदीप, विद्यानंद, राहुल मित्तल, नेहा मित्तल, सोनिका, भूपेंद्र की ओर से सपरिवार जलाभिषेक किया गया। एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बागोत में मेले के दृष्टिगत ड्यूटी मैजिस्ट्रेट सहित अस्थाई पुलिस चौकी स्थापित कर दी गई है। इस मौके पर एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, बिमला देवी, भारती, बबली, आरती शर्मा, बिजेंद्र आदि मौजूद थे।

बस सेवा शुरू करने पर डिपो महाप्रबंधक का जताया आभार

पांच साल बाद कुंड से महेंद्रगढ़ फिर से चली रोडवेज बस

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

नारनौल डिपो ने रविवार को कुंड-महेंद्रगढ़ से वाया मुंडायन, सुरजनवास होते हुए रोडवेज बस सेवा शुरू की है। सुबह सात बजे कुंड से चलकर विभिन्न ग्रामीण रूटों से होते हुए महेंद्रगढ़ पहुंची। नई बस सेवा शुरू होने पर गांव मुंडायन व सुरजनवास के बस स्टैंड पर विभिन्न ग्राम पंचायतों व सामाजिक संगठनों ने बस चालक मदन व परिचालक सोनू का फूल मालाओं से स्वागत किया। बस के चलने से तीन विधानसभा क्षेत्र महेंद्रगढ़, अटेली व बावल के ग्रामीणों को बस का लाभ मिलेगा। बस को चलवाने के लिए सामाजिक संगठन ने एक सप्ताह पहले रोडवेज महाप्रबंधक मनोज शर्मा को लिखित ग्राम पंचायत के द्वारा ज्ञापन दिया गया था। कुंड से सुबह के समय इस रूट पर कोई बस सेवा नहीं थी। बता दें कि पांच साल पहले यानि (लॉकडाउन के दौरान) इस रूट पर रोडवेज विभाग द्वारा सुबह-दोपहर व शाम को यह बस नारनौल डिपो द्वारा चलाई जा रही थी, लेकिन लॉकडाउन में यह बस सेवा बंद कर दी गई थी। अब फिर से ग्रामीणों व ग्राम पंचायज की मांग पर यह बस सेवा रोडवेज विभाग द्वारा शुरू की गई हैं। बस सेवा शुरू होने से ग्रमीणों में खुशी की लहर है।

महेंद्रगढ़। सुरजनवास के बस स्टैंड पर चालक व परिचालक का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर समाजसेवी रामनिवास पाटोदा, मुकुट यादव, मुंडायन सरपंच प्रदीप, सुमेर, विक्रम, महेंद्र, अमरजीत, सतपाल पूर्व सरंपच, राजेंद्र, होशियार, कृष्ण, ओमप्रकाश, सुरजवास पंच सुरत सिंह, रजनेश, अनिल, पंपू, सुमेर, ओमप्रकाश, बाबूलाल, महावीर, डॉ. सतबीर, गोलिया सहित अन्य ग्रामीणों ने बस का स्वागत किया।

इन गांवों के यात्रियों को मिलेगा लाभ

कुंड-महेंद्रगढ़ रूट पर सुबह के समय इस बस सेवा के शुरू होने पर गांव कुंड, भैरू का बांस, मोहनपुर, नांगल, राता कला, राता खुर्द, खैराना, खैरानी, बेवल, झिंगावन, मुंडायन, सुरजनवास, मेघनवास चौक, डुलाना गांव के ग्रामीणों को फायदा मिलेगा। यह बस कुंड बस स्टैंड से प्रतिदिन सुबह सात बजे चलकर ग्रामीण रूटों से होते हुए 8:15 बजे महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर पहुंचेगी। इसके बाद महेंद्रगढ़ बस स्टैंड से यह बस सुबह 8:20 बजे वाया सिगड़ी, अगिहार, पाथेड़ा, खेडी तलवाना, कनीना, अटेली होते हुए 11:20 बजे नारनौल पहुंचेगी। नारनौल से सवा एक बजे चलकर इसी रूट से होते हुए शाम को 3:20 बजे महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर पहुंचेगी। महेंद्रगढ़ से शाम 3:30 बजे कुंड के लिए उपरोक्त रुक्ट से रवाना होगी। रात्रि ठहराव कुंड बस स्टैंड पर किया जाएगा। बस सेवा शुरू होने से ग्राम पंचायतों व सामाजिक संगठनों ने नारनौल डिपो के महाप्रबंधक मनोज शर्मा का आभार जताया हैं।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जी भर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था?

कहानी

डॉ. मनुहार शर्मा

बाबा की बुलेरी

जरा अलमारी को करीने से करने क्या बैठी कि यादों के दराज में सेंधमारी ही हो गई। अलमारी के दराज में एक से एक पुरानी, नयी चीजें ...कागज-पत्र, माला, गहने ...एक पूरा कबाड़खाना ही कह लो। किसी चीज में कोई तरतीब नहीं... लेकिन चीजों को देखते हुए एक सुकून सा मिल रहा है। जिंदगी इतनी तेजी से दौड़ी कि हांफना भी भूल गई। सुकून तो दूर की कौड़ी... घर गृहस्थी और नौकरी दोनों के बीच तवाजुन किसी सर्कस की नटनी से तो रत्तीभर भी कम नहीं... बस भागते-भागते खाओ, भागते-भागते सब कुछ... इंश्योरेंस की रसीद या कोई भी कागज ...यहां तक कि पीएच.डी की डिग्री भी... कन्वोकेशन के बाद रात को लौटे थे... जी भरके देखा भी नहीं ....कि दराज में रख दी ।

सुबह उठकर भाग गए अपनी-अपनी नौकरी पर। आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जीभर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था? वह बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। सो बुल्ले शाह के बारे में तो क्या ही जानते होंगे ,लेकिन वह उर्दू पढ़ना लिखना जानते थे। ...तो हो सकता है बाबा बुल्ले शाह के बारे में जानते हो और उनकी रूबाइयों और अलमस्त फकीरी से प्रभावित होकर मुझे नाम दिया हो बुलेरी। हालांकि उन दिनों जब उनकी देखा-देखी मुझे स्कूल में मेरी सहेलियां बुलेरी बुलाती तो मैं चिढ़ती थी ...कि नाम खराब कर रही हैं। एक बार तो बाबा फीस भरने आए तो हेड मास्टर के दफ्तर में जाकर बोले जी हमारी बुलेरी की फीस भरनी है। मास्टर जी तुरंत समझ गए लेकिन मैंने मां से उनको खूब डांट पड़वाई ...कि बच्ची का नाम लेकर नहीं बोल सकते ? वे ही... ही ...करके खिसियाते रहे। तब मुझे कहां पता था कि मैं उनकी बुलेरी ही हूं। आज कॉलेज और विश्वविद्यालय के दुनिया भर के कार्यक्रमों, बैनर, पोस्टर और निमंत्रण पत्रों पर बड़ी-बड़ी डिग्रियों के साथ मेरा नाम लिखा रहता है। विभाग अध्यक्ष की नेम प्लेट कमरे के बाहर लगी है , लेकिन बुलेरी कौन कहे? बुलेरी के लिए तो जैसे तरस ही गई हूं। मेरा बाबा के साथ एक अलग ही राब्ता रहा। घर में सबसे छोटी थी शायद इसीलिए ...या नहीं जानती क्यों ....उन्हें इतना भरोसा था मुझ पर ....कि कचेहरी से आते तो गली के नुक्कड़ से आवाज लगाते... बुलेरी ....। मैं स्कूल से आकर खाना खा रही होती और यह भी अजब इत्तेफाक कि आधा खा चुकी होती। बीच में उठती... उन्हें पानी देती ...वे थके होते उनके बगल से कागज पत्रों का थैला लेती... और कभी-कभी कैश भी होता... खूब सारे रुपए लेकर ...उनकी लकड़ी की अलमारी में रखती। उन्हें पानी देती फिर खाने बैठती... लेकिन वे चुप कहां बैठते? बुलेरी ...बुलेरी ...पुकारते रहते। बस जल्दी से खाना निबटाती। उन्हें गाय के दूध की छाछ, पुदीना डालकर पीनी होती... हालांकि मम्मी ने, बड़ी दीदी ने कई बार कोशिश की ... बाद में भाभी ने भी कोशिश की... कि मैं खा रही हूं तो वह उन्हें पानी... छाछ दे दें.... लेकिन उनकी रसाई बैठती ही नहीं। वह नुक्स निकालते ...,पानी ज्यादा ठंडा है ...पुदीना कम है छाछ में ....गिलास साफ नहीं है... और मम्मी को छोह आ जाता ...कहती ...यह तो चली जाएगी साल.. दो साल में ...फिर कौन देगा छाछ ? बहु से ही काम चलेगा ...इसलिए अभी से आदत डाल लो। सुनकर वे भावुक को जाते। तुरंत उनकी आंखें नम और नाक पौंछते रहते। अभी तो मेरी बेटी बहुत पढ़ेगी। जितनी भी क्लासें होती हैं... सब पढ़ेगी ...फिर बाद में भी इससे पूछूंगा कि शादी करवाएगी भी या नहीं। आज पीएच.डी की डिग्री को देख रही हूं तो याद आता है कि यदि वे होते तो आज फिर उनकी आंखें भीगती और नाक पौंछकर ,ऊपर देखकर कहते ....मेरी बुलेरी हमारे शहर में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की हो गई है। एक दिन वे जाते-जाते बोलकर गए... बुल्ला बेटा! ...गाय की बछिया खुली घूम रही है और कपड़े तार पर सूख रहे हैं ...उतार कर रख देना या फिर बछिया को बांध देना। मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईई.. ...लेकिन गनीमत कि कोई और शहर के दो आदमी उनके साथ थे ...एक मैनेजर थे ...बैंक के और दूसरे कोई स्कूल अध्यापक थे। जब पानी लेकर गई तो मेरी ही चर्चा थी कि मेरी बेटी इस साल बी.ए. कर देगी। इसको अगले साल किसी बड़े कॉलेज में दाखिला करवाऊंगा। जाने कितनी ही बातें हैं कि क्या-क्या याद करूं। उनके मुंह में दांत बहुत कम बचे थे। ज्यादातर दलिया, खिचड़ी या केला, पपीता खाकर पेट भर लेते थे। हम छुट्टी के दिन बाहर धूप में मूंगफली या चने खाते तो उनका मन करता। मैं चने या मूंगफली को अपने मुंह में आधे चबाकर उनके हाथ पर रख देती और वह बड़े मजे से खा लेते।

> *मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ, वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईई..*

बी.ए. का रिजल्ट आया तो जैसे उन्होंने पूरे शहर को सिर पर उठा लिया... क्योंकि उनकी गुलेरी बी.ए. पास जो हो गई थी। विश्वविद्यालय में दाखिला करवाने खुद गए। फीस जमा कर दी। हॉस्टल की भी फीस भर दी। उन दिनों हमारे विभाग की अध्यक्ष एक सीनियर प्रोफेसर थी जो रिटायरमेंट के नजदीक थी। उनसे मिले ...हॉस्टल में खाना कैसा होता है? क्लास कहाँ-कहाँ लगती हैं ? तमाम बातों का जायज़ा लिया और चलने के लिए उठे तो दोनों हाथ जोड़कर ..उन सीनियर प्रोफेसर के सामने अवरुद्ध गले से बोले ....हमारी बुलेरी का ध्यान रखना जी...यह कभी बाहर नहीं रही। वह दृश्य आज भी मेरी आंखों में जब तब साकार हो जाता है कि ...एक पिता... बेटी का पिता ...किसी याचक सा... दीन होता है। क्योंकि वह अपनी बेटी से प्रेम करता है। सीनियर प्रोफेसर उनकी सरलता को देखकर स्वयं भी रोने लगी और रोते-रोते कहा ...आज से चालीस साल पहले... मेरे बाबा भी मुझे... ऐसे ही... किसी प्रोफेसर के पास छोड़कर गए थे। तब वे भी इतने ही भावुक और चिंतित थे। आप फिक्र ना करें। यह मेरी भी बेटी है और तब के बाद ...उन मैडम ने मुझे बुलेरी ही कहा।

एम.ए. करते ही मुझे शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई तो वे खूब प्रसन्न हुए। हमारी ही लिस्ट में निखिल को भी जॉइनिंग मिली थी। मैंने इसी साल पत्राचार से एम.फिल. में प्रवेश लिया और साल भर में एम.फिल पूरी की। सुनकर वे खूब खुश हुए और कहा ...बेटा! तू सारी क्लासें पूरी कर दे। कोई क्लास मत छोड़ना। तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। उधर निखिल की पीएच.डी पूरी हुई लेकिन सालभर बाद मुझे मैटरनिटी लीव लेनी पड़ी और पहली डिलीवरी के बाद मैं आराध्या को लेकर घर गई तो वे काफी भावुक हुए। कचेहरी जाना अब छोड़ दिया था। पेड़ -पौधों की साज- संभाल कर लेते और ज्यादा समय घर पर ही रहते। हॉस्टल में सर्दियों की शुरुआत में ही गाजरपाक का लोहे का पीपा, लेकर पहुंच गए कि मेरी बेटी खाएगी। हालांकि पीपा व गाजरपाक का प्रयोग इतना सफल हुआ था कि बाकी लड़कियां बाद में कई दिनों तक पूछती रही थी कि तेरा पीपा खत्म हो गया या पापा जी फिर कब आएंगे?

उनकी उम्र काफी हो गई थी लेकिन समय पर नहाना-धोना, घूमना-फिरना, डायरी लिखना... अपने ज्यादातर काम अपने आप करना उनका शगल था। एक रात वे खाना खाकर आराम से सोए। रात को बिजली नहीं थी। वे शायद पानी पीने उठे होंगे। वे उठे तो अंधेरे में सामने रखी कुर्सी में उलझ कर गिर पड़े। पैर में फ्रेक्चर हुआ तथा रीढ़ की कोई नस ब्लॉक हो गई। तीन-चार दिन बाद ही पूरा शरीर सुन्न हो गया। वे बस देखते रहते ...ना बोल पाते ...ना हिल डुल पाते... डॉक्टर ने खूब कोशिश की ...कहा ऑपरेशन होगा ठीक हो जाएंगे। मुझे याद है आज भी ...वे ऑपरेशन के लिए दिल्ली जा रहे थे.. तो गाड़ी मेरे कॉलेज की तरफ से ही निकली गई। चपरासी ने बताया तो मैं क्लास में थी... जल्दी से बाहर भागी तो उनकी कार गेट के आगे ही दूसरी तरफ खड़ी थी। वे पिछली सीट पर लेटे थे। खूब कमजोर हो गए थे । बोल नहीं पा रहे थे। आंखों से आंसू बह रहे थे। मैं उनसे लिपटकर स्वयं को रोक नहीं पायी... सारे बांध तोड़कर ...खूब तबीयत से रोयी...फिर अचानक सोचा यह क्या कर रही हूं ? इससे तो उनको तकलीफ ही दे रही हूं। कहा ...बाबा! डॉक्टर से बात हुई है ...ठीक हो जाओगे... चिंता नहीं करनी है। उनका बायां हाथ बार-बार हिल रहा था ...जैसे उठाकर कुछ कहने की कोशिश में हों। भाई और ड्राइवर पानी-वानी लेने गए थे तो मैंने देखा हाथ में एक कागज का पुर्जा दबा है। पुर्जा हाथ से निकाल कर पढ़ा तो लिखा था.... तू जमीन जायदाद और रुपये पैसे में चौथे नंबर की... बराबर की हकदार है ...तेरी मर्जी के बिना तेरा हक कोई नहीं ले सकता... बिना झिझक मांग लेना। सबसे बड़ी क्लास पास करना। पढ़ती रहना। दुखी मत होना। अब शायद ही लौट कर आऊंगा। आखिरी पंक्ति पढ़कर रुका नहीं गया ...उनकी छाती पर गिरकर... खूब रोई। पीएच.डी की डिग्री वाले पॉलिथीन में ही वह पुर्जा भी रखा है... पर मैला हो गया है ...लेकिन अक्षर ज्यों के त्यों हैं। बाद में पता चला था कि उन दिनों बैंक मैनेजर और वकील के पास जाकर अपनी सारी संपत्ति को दोनों भाइयों और हम दोनों बहनों में बांट आए हैं। मैनेजर उनके दोस्त भी थे। मेरे लिए यह पुर्जा उनसे ही लिखवाया था। बाबा आज इस दुनिया में नहीं है। उनकी बुलेरी विश्वविद्यालय में सीनियर प्रोफेसर है। उसका नाम है। शोहरत है। करीब दस दिन बाद पता चला था कि ऑपरेशन सफल नहीं हुआ। वे नहीं रहे। हमारे यहां रिवाज है कि बाप के अंतिम संस्कार में बेटी शरीक नहीं हो सकती। क्यों नहीं हो सकती...? यह मैं नहीं जानती... लेकिन अगले ही पल सोचती हूं कि क्या हमारे यहां बाप की जायदाद में से बेटी को हक बराबर का मिलता है नहीं ?... लेकिन मुझे तो मिला है ...याद करके वह पुर्जा मेरी आंखों के सामने घूम गया। निखिल गाड़ी निकाल रहा है। उदास मन से मैंने तुरंत कहा, निखिल मैं भी चल रही हूं अंतिम दर्शनों के लिए। घर के पीछे ही खेत में उनकी चिता बनाई गई है। हमारा पूरा परिवार..शहर के मौजिज लोग ...उनकी चिता को घेर कर खड़े हैं। वहां महिला कोई नहीं है। मैं और निखिल दोनों धीरे-धीरे ...भारी कदमों से घर के मुख्य द्वार से पिता की चिता की तरफ बढ़ रहे हैं ...मुख्य द्वार से निकलते हुए उसी गैलरी को पार कर रही हूं ...जहां से रात को तीन बजे बाबा ने निखिल के साथ विदा किया था। बाबा फूट-फूट कर रोए थे उस दिन और हमारा कुत्ता झबरू ने मेरा रास्ता रोक लिया था कि नहीं जाने दूंगा। हमारे घर की औरतों ने तो वह गीत भी शुरू कर दिया था... जिसे सुनकर दुनिया का कोई भी बाप बिना रोए रह ही नहीं सकता कि... 'मेरी गुड़िया भुल्ली हो ...बाबुल तेरे आळे म्हं... स्मृति में एक घटना किसी चलचित्र की तरह घूम रही है ...सामने ही बाबा की चिता है। चाचा- ताया ...परिवार के बुजुर्ग विस्मय से देख रहे हैं। मैनेजर अंकल ने सब को रोकते हुए ...मुझे अंक में भर लिया है और सफेद चादर में लिप्त.. चिता के पास ले गए हैं.. उन्होंने धीरे से मुंह से कपड़ा हटा दिया है... बाबा शांत लेटे हैं... जैसे सो रहे हैं। लगता है कि वह अभी कहेंगे बुलेरी... खूब पढ़ना ...सब क्लासें पास कर लेना ...तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। सोचकर मैंने अपनी पीएचडी की डिग्री को आंखों से लगा लिया है और मन में ही अपने बाबा से आशीर्वाद लिया है..।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

वीरों का गौरव गान

ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई , आपस में सब भाई भाई
भगतसिंह को फांसी लाई, हुआ आजादी ऐलान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

तुम नमन करो मर्दानों को, उन आजादी के दीवानों को
अमर शहीद बलिदानों को, यहां फिर भेजो भगवान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

करी पर्वत कैसी आड़ तुम्हे, अंग्रेज दिये थे काढ़ तुम्हें
ये भूमि करती लाड तुम्हें, और जयहिंद करे जहान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

जब तक चांद और तारा है, रोशन नाम तुम्हारा है
कहे महेंद्र सिंह प्यारा है, हम सब को हिन्दुस्तान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

कविता | पंकजोम प्रेम

यार पुराना छोड़ दिया

उसने भी रिश्ता दिल से निभाना छोड़ दिया है
सो मैंने भी वो यार पुराना छोड़ दिया है

अब मैं भी राहों में उस से हंस कर मिलता हूं
और उसने भी नज़रों को बचाना छोड़ दिया है

अब अपना दुःख किसी आगे ज़ाहिर नहीं करता
अब मैंने अपना तमाशा बनाना छोड़ दिया है

देख के मेरा फूलों का यूं बढ़ता कारोबार
दुश्मनों ने भी हथियार बनाना छोड़ दिया है

क्यूँ रुसवा बैठी है घर पर इक इक पनिहारी
क्यूँ प्यासों ने पनघट पे आना छोड़ दिया है

तुम भी मत किया करो मुझ से यूं घुमा के बातें
मैंने भी तो ये खेल दिखाना छोड़ दिया है

दोहे | नरेश शांडिल्य

अध्यात्म

उतना पाया पार मैं, जितना पाया डूब।
ख़ूब जिया मैं ज़िन्दगी, पिया ज़हर जब ख़ूब।।

जो कहता मैं जानता, वो निकला अनजान।
जो कहता अनजान हूँ, वही सका कुछ जान।।

खुद को रोता देखकर, सखी हँसा मैं ख़ूब।
ख़ुद ही ख़ुद मैं तर गया, ख़ुद ही ख़ुद में डूब।।

ख़ुद से गहरा औ' बड़ा, लगा न और सवाल।
टाले लाख वबाल पर, ख़ुद को सका न टाल।।

ख़ुद में ही जब है ख़ुदा, यहां-वहां क्यों जाय।
अपनी पत्तल छोड़कर, तू जूठन क्यों खाय।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हास्य-व्यंग्य से हरियाणवी जीवन, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर दी समाज को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ रचनाकार एवं कवि ओम प्रकाश चौहान का आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से मानवीय जीवन मूल्यों में बदलाव हुए हैं और गिरावट भी आई है, इसलिए इस बदलते परिवेश में साहित्यिक साधना या सुरुचिपूर्ण जीवनशैली प्रभावित हुई है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

साहित्य संवर्धन में नैतिकता और आध्यात्म भी अहम: ओपी चौहान

साहित्य जगत में लेखक एवं साहित्यकार विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य संवर्धन करके समाज को सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। ऐसे ही हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के मूर्धन्य विद्वान एवं प्रबुद्ध साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान ने विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन करते हुए समाज में बाल मनुहार से बुजुर्गों तक के मन को छूते हुए हरियाणा के ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय-साहित्यिक-क्षितिज को अपने साहित्यिक सेवा से आलोकित किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूपों मे उन्होंने काव्य के विविध रूपों यथा-यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, हास्य-व्यंग्य, पुस्तक-समीक्षा, तथा रिपोर्ताज आदि साहित्यिक विधाओं पर लेखन में एक हास्य कलाकार और बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा के रूप में पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान ओ.पी. चौहान ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के मुद्दों के साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता भी साहित्य संवर्धन में महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखा जा सके। हास्य कवि ओम प्रकाश चौहान का जन्म 6 मार्च, 1954 को हिसार जिले के गांव मोठ करनैल में जुगलाल चौहान और मिसरी देवी के घर में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से निर्धन होते हुए भी उनका पारिवारिक परिवेश सुसंस्कारी एवं संवेदनशील रहा। उनके माता-पिता धार्मिक प्रवृत्ति के सद्गृहस्थ थे, इसी का ही परिणाम है कि उदात्त मानवीय गुण आए, जो उन्हें साहित्य पढ़ने और रचने की अभिरुचि की ओर अग्रसर करते चले गए। दूसरी तरफ उनके पिता महाकवि सूरदास, संत कबीर दास, संत शिरोमणि रविदास आदि की वाणियां सुनते सुनाते थे, तो इसके प्रभाव के कारण बचपन में ही उन्हें लेखन करने की प्रेरणा मिलने लगी।

राजपूत लखेरा समाज से संबंध रखने वाले ओम प्रकाश चौहान का बचपन भले ही निर्धनता भरे माहौल में गुजरा हो, लेकिन उनके पिता का अपने परिवार के प्रति समर्पण सदैव सुखद रहा है। जुलाना कस्बे में पले-बढ़े-पढ़े और प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय जुलाना मंडी जींद में हुई। उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रभाकर और ओ.टी. की परीक्षा पास की। उसके बाद वह जींद में जुलाना के संस्कृत महाविद्यालय में प्रभाकर की शिक्षा देने लगे। सनातन धर्म उच्च विद्यालय जींद में हिंदी अध्यापक के पद पर करीब 12 वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवा में आने का निर्णय लिया और वह नवम्बर 1991 में सरकारी सेवा में आ गये। उन्होंने आरंभ में अनेक हरियाणवी भजन लिखे, जो कीर्तन के रूप में स्थानीय लोगों द्वारा गाए जाने लगे। व्याकरण सम्मत परिमार्जित भाषा के अध्ययन के कारण इन्हें हिन्दी लेखन अधिक रुचिकर लगने लगा और उन्होंने हिन्दी में अपनी प्रथम कहानी 'दूसरा पत्र' लिखी, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। बकौल ओपी चौहान, उन्होंने अपने साहित्य सृजन में गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को समान स्थान दिया। गद्य विधा में उन्होंने निबंध, लघुकथाएं, कहानियां, यात्रा कृतांत और विनोद वार्त्ताएँ लिखीं, तो वहीं पद्य में कविता, गजल, दोहे, रागनियां और भजन लिखे हैं। साल 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद उनके भीतर अलग तरह की प्रेरणा समा गई थी। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हिन्दी में देशभक्तिपूर्ण रचनाएं लिखना आरम्भ किया। उनकी साहित्यिक साधना में आत्मानंद की अनुभूति, कर्त्तव्यपरायणता का जज्बा, राष्ट्रीय चेतना और पूर्वजों द्वारा धर्मपरायणता की सिद्धि मूल में रही हैं। इसलिए वह निराशा के पलों में भी प्रफुल्लित रहते हुए अपनी कविताओं में रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्ति, शब्दरीति, काव्यगुण आदि को सदैव महत्व देते रहे हैं। हरियाणा बाल साहित्य को ओपी चौहान का योगदान विषय पर कुरुक्षेत्र विवि में एमफिल की जा चुकी है।

उनका कहना है कि स्वाध्याय मानव को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ता है समुचित दिशा देता है अतः युवाओं को स्वाध्याय अपनाना चाहिए। समाज और संस्कृति को जीवंत रखने के लिए साहित्यकारों व लेखकों को भी इसी आधार पर श्रेष्ठ साहित्य सृजन करना आवश्यक है, जो मानव जीवन का मूल उद्देश्य भी है।

प्रकाशित पुस्तकें

ओपी चौहान अभी तक तीन दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें प्रकाशित 15 पुस्तकों में हिंदी भाषा की कृतियों में कविता संग्रह-प्रथम प्रपात, अमृत प्याला जिन्दगी, प्रबन्ध काव्य-जिन्दगी, विनोद वार्ताएं-श्रीमती ने पत्र लिखा, बाल साहित्य में बाल गीत माला गर्वित, अर्पिता, हर्ष बाल गीत के अलावा नानी की कहानियां और बाल निबन्ध-वाटिका सुर्खियों में हैं। उनके हरियाणवी भाषा की रचनाओं में वीराख्यान प्रबन्ध काव्य-मेवाड़ का शेरः महाराणा प्रताप, भजन संग्रह-आराधना के गीत और गजल संग्रह-ऐसे मन बहलाया जाए पाठकों के बीच हैं।

ओम प्रकाश चौहान

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्य अभिनंदन योजना 2022 के पं. माधव प्रसाद मिश्र सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान को अब तक अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें साहित्य सारथी सम्मान, इन्दिरा-स्वरुप स्मृति साहित्य श्री सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के अलावा शैक्षणिक, समाजिक एवं सांस्कृति क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक पुरस्कार व सम्मान के अलावा प्रशस्ति पत्र, प्रशंसा पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों से भी नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :ओम प्रकाश चौहान
जन्मतिथि : 6 मार्च, 1954
जन्म स्थान : मोठ करनैल, हिसार (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.(हिंदी), एम.फिल., प्रभाकर, संगीत भूषण
संप्रति : सेवानित्त शिक्षक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार, समाजसेवी

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल

पुस्तक : द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल
लेखक : डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी'
मूल्य : 1895 रुपये
प्रकाशक : एसएसडीएन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल" डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी' द्वारा लिखित एक व्यापक और समृद्ध पुस्तक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह पुस्तक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से लेकर डिजिटल युग की नवीनतम तकनीकों तक के विस्तृत पहलुओं को समेटती है।

लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक में पत्रकारिता के परंपरागत और आधुनिक दोनों स्वरूपों को संतुलित ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक न केवल पत्रकारिता के छात्रों, बल्कि शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भी एक अमूल्य संसाधन है। पुस्तक को दस अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को व्यवस्थित रूप से कवर करते हैं। प्रत्येक अध्याय में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संतुलन बनाया गया है। पुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित प्रमुख विषय शामिल हैं। इस अध्याय में समाचार की अवधारणा, संरचना, और मूल्यों के साथ-साथ प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, और डिजिटल मीडिया के लिए लेखन और संपादन तकनीकों को समझाया गया है। यह पत्रकारिता के नैतिकता और समकालीन मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। समाचार स्त्रोतों, सूचना संग्रह के उपकरणों, और स्त्रोतों के विकास की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई है। 5 डब्ल्यू और 1एच की संरचना और इनवर्टेड पिरामिड पैटर्न जैसे लेखन ढांचों को समझाया गया है।अपराध, अदालत, शिक्षा, खेल, मौसम, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की तकनीकों को रेखांकित किया गया है। साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस, और तत्काल कवरेज जैसे विषयों पर गहन जानकारी दी गई है। सत्य, निष्पक्षता, और विविधता जैसे पत्रकारीय मूल्यों के साथ-साथ लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर चर्चा की गई है। मीडिया साक्षरता और कन्वर्जेंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। येलो जर्नलिज्म, खोजी पत्रकारिता, और डेटा पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों की गहन पड़ताल की गई है। डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी के पत्रकारों को संवेदनशील, सजग, और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया है। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, जो पत्रकारिता को समझना और अपनाना चाहता है। लेखक इस पुस्तक के लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

विधायक ने परिवार सहित की गोसेवा

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने अपने इकलौते पुत्र उमेश यादव की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर उपचार व अनाथ गोशाला पहुंचकर गोवंश की सेवा की। इस दौरान उन्होंने परिवार सहित गोशाला में सवामणी लगवाई और गायों को चारा खिलाकर पुण्यात्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। इससे पूर्व विधायक यादव ने अपने निवास स्थान पर परिवारजनों के साथ हवन यज्ञ कर दिवंगत पुत्र को नमन किया। हवन में परिवार के सभी सदस्यों ने भाग लिया और उमेश यादव की आत्मा की शांति के लिए मंत्रोच्चारण किया गया। इस मौके पर विधायक की पत्नी सुमन यादव, पुत्रवधू तनु यादव, पोते पोतियां व अन्य परिजन भी उपस्थित रहे।

यदुवंशी सतनाली में जिला स्तरीय एनसीसी कैंप शुरू

सतनाली मंडी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन स्कूल सतनाली में एक माह तक चलने वाले 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी नारनौल कैंप का शुभारंभ हुआ। इस कैंप का उद्घाटन कर्नल संदीप कुमार ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। इस विशेष शिविर में एनसीसी कैडेट्स को अस्त्र शस्त्र चलाने व अनुशासन में रहकर देश सेवा की भावना के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। कर्नल संदीप कुमार ने कहा कि ऐसे कैंप युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत करते हैं। यह कैंप देश के भावी रक्षकों को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऑपरेशन सिन्दूर जैसा महान कार्य भारतीय सेना के अनुशासन, साहस और जज्बे से भरे नौजवानों का कार्य है।

अग्रवाल वैश्य समाज की महिला विंग ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। तीज महोत्सव में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

अग्रवाल वैश्य समाज की महिला विंग की ओर से पारंपरिक त्योहार हरियाली तीज के उपलक्ष्य में एक रंगारंग व भव्य हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन अग्रवाल सभा नई मंडी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. मेघा मित्तल व अध्यक्ष प्रमुख समाजसेविका एवं भाजपा महिला विंग की शहरी अध्यक्ष सपना गुप्ता, रोटरी क्लब बैलाज की कोषाध्यक्ष डॉ. रजनी गर्ग, पूर्व प्रधान रोटरी क्लब बैलाज सारिका गर्ग विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथिगण ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर की। गीत, नृत्य, गायन जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों से पूर्ण इस कार्यक्रम में लक्की ड्रा, झूले, मेहंदी, पारंपरिक श्रृंगार, विभिन्न प्रकार के रोमाचंक खेल और लजीज व्यंजन मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहें। जिन्होंने उपस्थितजनों का मनमोह लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि डॉ. मेघा मित्तल ने कहा कि हरियाली तीज का पर्व हमारे जीवन में खुशहाली, सुख शांति और स्वास्थ्य के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। हम अपने परिवार और समाज की खुशहाली की कामना करते हैं। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रही है। उपस्थित सभी बहनों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण रखने की सलाह देती हूं।

सपना गुप्ता ने कहा कि यह महोत्सव हमारे समाज के हर वर्ग को जोड़ने का एक अद्भुत अवसर है। हम सबने मिलकर न केवल हरियाली तीज का आनंद लिया हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि हम महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ावा दें। विशिष्ट अतिथि डॉ. रजनी गर्ग ने कहा कि हरियाली तीज का पर्व हम सभी के जीवन में खुशहाली लाने और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज हरियाली तीज का यह महोत्सव महिलाओं के सामूहिक योगदान का प्रतीक भी है। और समाज की खुशहाली की कामना करते हैं।

तीज पर महिलएं करती है खुशहाली की कामना

विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान रोटरी क्लब बैलाज व समाजसेविका सारिका गर्ग ने कहा कि हरियाली तीज महिलाओं के लिए एक शानदार अवसर है। जब हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को मनाते हुए अपने परिवारों की खुशहाली की कामना करते हैं। यह अवसर महिलाओं को एकजुट करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का है। समारोह के अंत में अग्रवाल वैश्य समाज की महिला जिलाध्यक्ष पूनम अग्रवाल ने कार्यक्रम में पहुंची सभी माताओं, बहनों व अतिथियों का धन्यवाद किया और कहा कि यह आयोजन सामाजिक समरसता, पारंपरिक मूल्यों, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक विरासत को संजोने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ है। भविष्य में भी उनकी टीम की ओर से ऐसे भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

यह रही मौजूद

कार्यक्रम का संचालन पूजा जैन ने किया। इस मौके पर अग्रवाल वैश्य समाज महिला विंग की जिला उपाध्यक्ष मधु गोयल, नीता गुप्ता, रचना अग्रवाल, जिला महासचिव सुनीता गोयल, रेखा सिंघल, जिला कोषाध्यक्ष रितु गोयल, जिला संगठन सचिव, रेणु गोयल, बबली जैन, पूजा जैन, रंजना अग्रवाल, नीरू मित्तल, शीतल गर्ग, सरोज गर्ग, पुष्पा जैन आदि उपस्थित रही।

नारनौल। प्रभातफेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

131वीं प्रभातफेरी में गूंजे राधे-राधे के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सावन की पवित्रता व राधे नाम की मधुरता से शहर की फिजाओं में रविवार की सुबह अनोखी श्रद्धा व भक्ति की सरिता बहती दिखी। श्री राधा कृष्ण प्रभातफेरी संगठन की ओर से आयोजित 131वीं प्रभात फेरी ने नगरवासियों को अध्यात्म, सेवा और भक्ति के रंगों से सराबोर कर दिया। प्रभात फेरी की शुरुआत श्री गोपाल गोशाला से विधिवत पूजा अर्चना के साथ की गई। यजमान अशोक जैन, ललिता जैन, सुनीता जैन, महेश जैन ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। भक्तों को चंदन तिलक कर सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया गया। फेरी श्रीश्याम मंदिर से गुजरते हुए जैसे ही मुख्य मार्गों पर पहुंची, श्रद्धा का सागर उमड़ पड़ा। छोटी छोटी घंटियों की मधुर ध्वनि, ढोलक की थाप और भक्तों की आस्था ने पूरे वातावरण को दिव्यता से भर दिया। प्रत्येक गली, हर मोड़ पर श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर, आरती कर, प्रसाद वितरित कर प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर श्री गोपाल गोशाला में यजमान अशोक जैन ने बरसात से गायों की रक्षा के लिए बनाए गए टीनशेड का उद्घाटन किया गया। संगठन को समय समय पर निःशुल्क बस सेवा प्रदान करने वाले राजकुमार यादव, हितेश वर्मा, अमित गुप्ता, किशन चौधरी, कमल संघी का सम्मान भी किया गया। भक्ति के साथ सेवा का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए विकास बंसल ने गोशाला में एक नई टीनशेड निर्माण हेतु 51000 की राशि प्रदान की।

रोटरी क्लब सिटी और बेलाज ने किया तीज महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। तीज महोत्सव में भाग लेती महिलाएं।

रोटरी क्लब सिटी व बेलाज की ओर से तीज महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महता चौक कुटुंब पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने हिस्सा लेकर पतंगबाजी व मनोरंजक खेलों का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में महिलाओं ने म्यूजिकल ग्लास, बैलून चिपकाओ, गाना पहचानो, हूला हुप जैसे विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर प्रोग्राम को चार चांद लगाए। तीज उत्सव के दौरान बेलाज क्लब की प्रधान निर्मल जिंदल ने बताया कि हरियाली तीज श्रावण माह में हरियाली का प्रतीक है। इस दिन माता पार्वती ने सर्वप्रथम व्रत रखकर भगवान शंकर को वर स्वरूप मांगा था। तब से हर वर्ष महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए तथा कुंवारी कन्याएं मनचाहे वर की कामना के लिए इस दिन व्रत रखती हैं। इसके साथ ही बेलाज की सचिव डॉ. ऊषा यादव व कोषाध्यक्ष डॉ. रजनी गर्ग ने प्रधान के साथ खेल प्रतियोगिताओं में विजेता सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

रोटरी क्लब प्रधान राजकुमार चौधरी ने कहा कि भारत देश त्योहारों की भूमि है। समय समय पर हर ऋतु के अनुसार हर त्योहार का अपना अलग महत्व है और रोटरी क्लब सामाजिक सरोकार के साथ अपनी पौराणिक परंपराओं का भी निर्वहन करते हुए अपने रोटरी परिवार के साथ हर अवसर को खुशी पूर्वक मनाता है। कार्यक्रम के समापन पर क्लब सचिव गोपाल मित्तल व कोषाध्यक्ष दिनेश भार्गव ने कार्यक्रम में पधार कर आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

आरडब्ल्यूए ने हुडा सेक्टर एक के पार्क एवं सड़क पर चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गांधी पार्क में सफाई अभियान की शुरूआत करते हुडावासी।

हुडा सेक्टर एक में रविवार प्रातः सफाई अभियान चलाया गया। इसके तहत गांधी पार्क व सड़कों की सफाई की गई। गांधी पार्क के आसपास के निवासी व हुडा आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी सुबह करीब 6 बजे कस्सी, फावड़े व कुहाड़े आदि लेकर गांधी पार्क पहुंचे और आरडब्ल्यूए के प्रधान नरेश चौधरी के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में पहले ही आरडब्ल्यूए के द्वारा चिह्नित गांधी पार्क और सड़क की सफाई की गई।

इस दौरान आरडब्ल्यूए प्रधान नरेश चौधरी प्रधान ने सर्वप्रथम इस अभियान में उपस्थित सभी हुडा निवासियों का धन्यवाद किया और कहा कि इसी तरह से हुडा निवासियों का साथ रहा तो हमें हुडा की सभी समस्याओं का जल्द ही निजात मिल सकती है। उन्होंने कहा कि सफाई अभियान का उद्देश्य लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करना है। लोगों की भागीदारी से ही हुडा गंदगी से मुक्त किया जा सकता है।

इस अभियान में अरुण नूनीवाला का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने अपने दो कर्मचारियों को गांधी पार्क की पूरी तरह सफाई के लिए पूरे दिन के सहयोग के लिए दिया और कहा कि सफाई हमारे स्वास्थ्य का आधार स्तंभ है। घरों के आसपास नियमित रूप से सफाई करने से बीमारियां नहीं फैलती हैं और लोगों को कचरा सड़क पर अथवा पार्कों में डालने के स्थान पर डस्टबिन में एकत्रित करना चाहिए। इस अभियान में सचिव अमरजीत, उपप्रधान सुन्दर लाल शर्मा, प्रेस सचिव महेन्द्र सिंह, डा. हंसराज गुर्जर, डा. रविन्द्र कुमार, चौधरी अत्तर सिंह, छोटे लाल, सुभाष यादव, हनुमान प्रसाद एसडीओ, देवकरण, योगेश एओ, जोगेन्द्र, मुकेश डीपीई, वीरेंद्र कुमार, राजेन्द्र कुमार महारानियां, नरेश शर्मा, हेमराज, गौरव, सत्यनारायण हरपाल एवं शिव दयाल आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

हरित वसुंधरा आधार समिति ने पीएमश्री मॉडल स्कूल में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। पौधरोपण करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

समिति के आजीवन सदस्य अर्जुन सैनी ने बताया कि हरित वसुंधरा समिति वर्षा ऋतु को पर्यावरणीय समृद्धि हेतु एक अमूल्य अवसर मानकर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि समिति ने सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम को भी पूर्ण रूप से परिवर्तित कर दिया है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और सार्थक कदम बढ़ाते हुए हरित वसुंधरा आधार समिति ने पीएम श्री मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल परिसर में 51 छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया। इस अभियान में विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रोमिला यादव का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। सभी पौधों को सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड से संरक्षित किया गया। जिससे उनकी दीर्घायु सुनिश्चित हो सके।

प्रधानाचार्या प्रोमिला यादव ने बताया कि समिति पूर्व में भी विद्यालय परिसर को हरित बनाने हेतु कई बार पौधारोपण कर चुकी है, लेकिन इस बार समिति की ओर से अपने पूर्व अनुभवों से सीख लेते हुए हर पौधे के लिए तीन फीट गहरा गड्ढा खुदवाया गया तथा मिट्टी को भी बदलकर पौधों की शत प्रतिशत जीवितता सुनिश्चित की गई।

इस अवसर पर विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य के पुत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्यरत मोहित यादव उपस्थित रहे। वे पर्यावरण संरक्षण के प्रति अत्यंत जागरूक हैं और इस पुनीत कार्य से आत्मिक रूप से जुड़े हुए हैं। समिति के आजीवन सदस्य अर्जुन सैनी ने बताया कि हरित वसुंधरा समिति वर्षा ऋतु को पर्यावरणीय समृद्धि हेतु एक अमूल्य अवसर मानकर निरंतर कार्य कर रही है। इस मौके पर राजेश शर्मा, प्रवक्ता रविंद्र सैनी, डॉ. दीपक वर्मा, शिवानी वर्मा, प्रवक्ता मनोज, रामनिवास, अनिल, गजानंद, रमेश डीपी, आशा, वंदना, रामफल, जोगिंद्र सैनी आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। बैठक में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

बीएनडी स्कूल खातोदड़ा में पीटीएम आयोजित

महेंद्रगढ़। बीएनडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोदड़ा में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। विद्यालय में पहुंचने पर सभी अभिभावकों का स्वागत प्राचार्य हनुमंत शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान कक्षा अध्यापकों ने जुलाई माह की यूनिट टेस्ट की रिपोर्ट सांझा की एवं विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर अभिभावकों से संवाद किया। बैठक के दौरान विद्यार्थियों से संबंधित विभिन्न शैक्षिक एवं मानसिक समस्याओं का समाधान किया गया। विद्यालय के चीफ लर्निंग आफिसर डॉ संदीप भारद्वाज एवं उनकी टीम में प्रशांत कुमार द्विवेदी एवं सुरेंद्र जिंशी ने विशेष रूप से अभिभावकों को नई शिक्षा नीति की महत्ता, बच्चों की रचनात्मकता, अनुशासन, आदतों और स्क्रीन टाइम जैसी आधुनिक चुनौतियों से निपटने की रणनीतियों पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय चैयरमैन विजयपाल यादव, प्रिंसिपल हनुमंत शर्मा, मैनेजिंग डायरेक्टर अमित यादव, डायरेक्टर पूनम यादव, वाइस प्रिंसिपल दिनेश कुमार, पीजीटी हेड अरविन्द, टीजीटी हैड विकास यादव, पीआरओ राकेश यादव, किड्जी हेड मंजू यादव, पीआरटी हेड बनिता यादव भी उपस्थित रही।

एसपीजी-आईएएस स्कूल ने स्टेट लेवल पर आठ गोल्ड किए हासिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

डुलाना चितलांग रोड स्थित एसपीजी-आईएएस स्कूल के बच्चों ने इतिहास रचा है। स्कूल गेम्स एमेच्योर फेडरेशन हरियाणा द्वारा आयोजित स्टेट लेवल गेम्स में एसपीजी स्कूल के बच्चों ने आठ गोल्ड मेडल, तीन सिल्वर मेडल और एक ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। अंडर-12 रिले रेस में नयन (झुक), विवेक (चितलांग), पीयूष (झगड़ौली), देव (चितलांग) ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंडर- 14 गर्ल्स 200 मी रेस में अश्वनी (भांडोर) ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया इसी में गर्ल्स लॉन्ग जंप में खुशी (मुंडायन) व हाई जंप में वर्षा (महेंद्रगढ़) ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंडर-12 गर्ल्स 400 मीटर में अवनी (भांडोर) ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। गर्ल्स 200 मीटर में भाविका (महेंद्रगढ़) व बॉयज 200 मीटर में प्रियांक (देवास) ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। गर्ल्स 100 मीटर में सलोनी (चितलांग) ने सिल्वर मेडल व बॉयज 100 मीटर में अर्पित (जासावास) में ब्रांज मेडल प्राप्त किया। इन बच्चों ने स्कूल के साथ-साथ अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चेयरमैन डॉ. विरेंद्र राव ने बताया कि जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का अपना विशेष महत्व होता है। सीईओ रोहित यादव ने कोच श्रवण कुमार की तारीफ की व प्रिया यादव तथा ज्योति द्वारा दिए गए सहयोग की भी सराहना की।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षिका। फोटो : हरिभूमि

टैगोर स्कूल में हरियाली तीज प्रोग्राम आयोजित

महेंद्रगढ़। टैगोर स्कूल में हरियाली तीज का प्रोग्राम अपने स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की माताओं के साथ आयोजित किया गया। इस प्रोग्राम की अध्यक्षता टैगोर ग्रुप की चेयरपर्सन सविता यादव और सीईओ डा. निशा यादव ने की। प्रोग्राम में आने वाली सभी माताओं का स्वागत विद्यालय में प्रोग्राम के आयोजक समिति ने किया। इस प्रोग्राम में महिलाओं के लिए खेल, झूले, डांस और सिंगिंग के साथ-साथ मेहंदी प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया और विजेता होने वाली महिलाओं को आकर्षक इनाम भी दिए गए। टैगोर ग्रुप की चेयरपर्सन सविता यादव ने इस प्रोग्राम में आने वाली सभी महिलाओं का धन्यवाद किया। सीईओ डॉ. निशा यादव ने बताया कि विद्यालय में हरियाणवी अंदाज में महिलाओं के साथ तीज का त्योहार मनाया गया और हरियाणवी संस्कृति का परिचय दिया है। उन्होंने विद्यालय में आई महिलाओं के साथ-साथ विद्यालय में कार्यरत महिला स्टाफ का धन्यवाद किया।

भारतीय मजदूर संघ एवं अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

अनुबंधित कर्मचारियों के सेवा नियम जल्द जारी करें सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक में भाग लेने आए अनुबंधित विद्युत कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक बिजली घर के प्रांगण में हुई। जिसमें मुख्य रूप से भारतीय मजदूर से प्रांत मंत्री देवीलाल गुराना, अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ से प्रदेश कोषाध्यक्ष संदीप बागनवाला, उपाध्यक्ष रवि श्रीवास्तव, संगठन मंत्री विक्रम श्योराण, विकास बेनीवाल व उदय शंकर मुख्य रूप से मौजूद रहे। पदाधिकारीयों ने जानकारी देते हुए कहा कि 18 जुलाई व 21 जुलाई को लिए गए प्रदर्शन के फैसले के मध्यनजर व प्रदर्शन की तैयारी को देखते हुए सरकार व विभाग के अधिकारी सख्ते में आए है और संगठन को वार्ता के लिए बुलाया।

उन्होंने बताया कि पिछले चार पांच दिनों में संगठन की दो बार सीएम हाउस पर मुख्यमंत्री व उनके ओएसडी से संगठन की मांगों को लेकर चर्चा हुई। जिसमें मुख्य मांग सर्विस रूल व थर्मल के समझौते को लागू करने पर गहन चर्चा हुई। इसके बाद सरकार के आदेशों पर विद्युत विभाग की दो कंपनियां यूएचबीवीएन एवं एचपीजीसीएल से बैठक हुई। जिसमें अनुबंधित कर्मचारियों से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से मांगों पर चर्चा हुई व तुरंत प्रभाव से कार्य करते हुए पत्राचार भी हुआ तथा डीएचबीवीएन प्रबंध निदेशक से 21 जुलाई व एचवीपीएन प्रबंध निदेशक से 24 जुलाई को बैठक का समय मिला, जो की फील्ड में मेहनत कर रहे, सभी प्रदेश पदाधिकारियों, जिला पदाधिकारी व संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा है। इन बैठकों के सिलसिले को देखते हुए संगठन ने 21 जुलाई के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है।

भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आशीष गोरा ने बताया कि संघ ने सरकार को एक अगस्त तक का समय देते हुए आगामी चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने एक अगस्त तक सर्विस रूल व थर्मल के समझौते को लागू नहीं किया तो संगठन आगामी निर्णय लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन करेगा। संघ ने फैसला लिया कि तब तक सभी जिला कार्यकारिणी, डिवीजन कार्यकारिणी व सब डिविजनों के पदाधिकारी निरंतर बैठकों का दौर जारी रखेंगे और मांगे पूरी नहीं होने पर आंदोलन के लिए तैयार रहेंगे। इस मौके पर भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आशीष गोरा, अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ से जिला सचिव कर्मवीर जाखड़, जिला सलाहकार चिंतामणि गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य अशोक सैनी व संदीप भारद्वाज मौजूद थे।

हनुमान मंदिर परिसर में लगाए दर्जनों पौधे

नारनौल। शहर के नेताजी सुभाष स्टेडियम निवासी न्यायालय से सेवानिवृत्त रीडर सतबीर सैनी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए रविवार को हनुमान मंदिर परिसर में दर्जनों पौधे लगाए। सतवीर सैनी हर वर्ष सावन माह में 100 पौधे लगाने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने बताया कि इस सावन में अब तक 55 पौधे लगा चुके हैं और सावन समाप्त होने तक उनका लक्ष्य 100 पौधे लगाने का है। उन्होंने कहा किए पेड़ पौधे हमें शुद्ध ऑक्सीजन देकर जीवन की रक्षा करते हैं। यदि आज हम पेड़ों को नहीं बचाएंगे तो भविष्य में जीवन कठिन हो जाएगा। कोरोना महामारी के समय ऑक्सीजन की भारी कमी को याद करते हुए उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति बरसात के मौसम में पौधारोपण का लक्ष्य बनाए और लगाए गए पौधों की पूरी जिम्मेदारी से देखभाल करे। सतबीर सैनी ने बताया कि पेड़ पौधों से मिलने वाली जड़ी बूटियां और औषधीयगुण हमारी पारंपरिक व आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों में उपयोगी होती हैं।

लंबे समय से जर्जर अवस्था में सड़क मार्ग

मोहल्ला सराय से स्टेट हाईवे-148बी तक 37.40 लाख से बनेगी एक किलोमीटर की सड़क, लोगों और विद्यार्थियों को होगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के मौहल्ला बास से स्टेट हाईवे-148बी तक एक किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग का चार माह के समय में नवनिर्माण किया जाएगा। नगर पालिका की ओर से इसके लिए 37.40 लाख रुपये का बजट तय किया है। यह मार्ग काफी लंबे समय से जर्जर अवस्था में हैं। सड़क जर्जर होने के चलते आने-जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क का निर्माण होने से राहगीरों व वाहन चालकों को काफी फायदा मिलेगा। एक किलोमीटर सड़क के नव निर्माण का कार्य को पूरा करने के लिए चार माह की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

महेंद्रगढ़। जर्जर अवस्था में स्टेट हाईवे को जाने वाला मार्ग। फोटो : हरिभूमि

बता दें कि यह मार्ग इंटरलॉकिंग टाइलों से बनाया गया था। अब इस मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं। इस एक किलोमीटर मार्ग पर अनेक मोहल्ले पड़ते हैं। शहर को जोड़ने के लिए मौहल्ला सराय रोड, मोहल्ला सुनारों का, मोहल्ला धानकान, सराय खटीकान होते हुए 148-बी स्टेट हाईवे को जोड़ने वाला यह सुगम मार्ग है। इसका निर्माण पूरा होने के बाद शहर पर यातायात का भार भी कम हो जाएगा। इस बदहाल मार्ग पर बरसात के समय में गड्ढों में पानी भरने के कारण लोगों की परेशानी बढ़ जाती है।

साथ लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण के कारण सड़क संकरा हो गया गया। अब नपा की ओर से अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ इसकी चौड़ाई को भी बढ़ाया जाएगा। इस मार्ग पर राजकीय महाविद्यालय, महिला कॉलेज, लघुसचिवालय, न्यायिक परिसर सहित मिस्त्री व अन्य मार्केट स्थित है। चार महीने बाद इस मार्ग का निर्माण को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बनने से शहर व गांवों से जाने वाले लोगों को लघु सचिवालय, तहसील में लोगों व कॉलेजों में विद्यार्थियों का आवागमन सुगम हो जाएगा। मौहल्ला सराय के रास्ते शहर को जोड़ने वाले मार्ग का नपा उखाड़ कर नया मार्ग बनाएगी। इस मार्ग को पहले की तरह इंटरलॉकिंग टाइलों से ही बनाया जाएगा। नगरपालिका के सूत्रों के अनुसार इस मार्ग को भी रोड पर दूर तक किए गए अतिक्रमण को हटाकर बनाया जाएगा।

मार्ग पर कई दुकानें

इस मार्ग पर तीन से चार मंदिर, स्कूल, किरयाणा की दुकान, कबाड़ की दुकानें सहित अनेक मौहल्ले स्थित है। लोग लघु सचिवालय जाने के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा लोग सब्जी मंडी व शहर का प्रमुख 11 हट्टा बाजार जाने के लिए इसी रोड से होकर गुजरते हैं। स्कूली विद्यार्थी व कॉलेज की छात्राएं महाविद्यालय में इसी रास्ते से जाते हैं। यह छोटा व आसान रास्ता भी है। पिछले काफी सालों से यह रोड टूटा हुआ है। लोग प्रशासन से इस रोड का निर्माण जल्द करने की मांग कर रहे थे। अब नगर पालिका ने इस मार्ग की सुध ली

वर्क ऑर्डर पास किया

नगर पालिका की ओर से 37 लाख 40 हजार 255 रुपये का वर्क आर्डर पास किया गया है। चार माह में इस मार्ग का निर्माण कार्य पूरा करने का रखा लक्ष्य रखा गया है। पहले इस मार्ग से अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसके उपरांत इस मार्ग का निर्माण किया जाएगा।

-रमेश सैनी, नगरपालिका प्रधान, महेंद्रगढ़।

खबर संक्षेप

मानव उत्थान समिति ने किया पौधारोपण

नारनौल। सतपाल महाराज की प्रेरणा से पांच जुलाई से 20 जुलाई तक पूरे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कड़ी में रविवार को मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में महात्मा संजीवनी बाई की अध्यक्षता में गांव धनौंदा अटेली में पौधारोपण किया गया। सभी ने वृक्षों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्था के सक्रिय सदस्य नंदलाल, कपिल देव मास्टर, सत्यवीर मास्टर, लालचंद सैनी, लखनलाल मास्टर, प्रेम पुष्कर पंडित, सुमन, मीनू वर्मा, स्नेहलता, भागवती, काशीराम, हरिसिंह आदि मौजूद थे।

एसडी विद्यालय में भाषण प्रतियोगिता आयोजित

कनीना। एसडी विद्यालय ककराला में स्वतंत्रता संग्राम के शहीद मंगल पांडे की जयंती पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में आठवीं के विद्यार्थियों ने मंगल पांडे के जीवन, बलिदान और देशभक्ति पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वे स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी थे। उनका साहस और बलिदान हमें आज भी प्रेरणा देता है। 1857 की क्रांति की शुरूआत मंगल पांडे की वीरता के साथ हुई। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कर देशवासियों में आजादी की भावना को जन्म दिया। अंग्रेजी विषय की अध्यापिका विनोद कुमारी व नरेश कुमारी की देखरेख में हुई इस प्रतियोगिता में

केंद्र व राज्य सरकार की साझा पहल, कस्तूरबा गांधी विद्यालय आज शिक्षा से लेकर खेल तक छोड़ रहा छाप

साफ सफाई, शुद्ध भोजन, सुरक्षा और अनुशासन सब अव्वल दर्जे का, सबसे ज्यादा छात्रवृत्ति के लिए उपायुक्त ने प्रशंसा पत्र भी दिया

हॉस्टल के अपने किचन गार्डन में उगाई जाती हैं सब्जियां, हॉस्टल परिसर में बिना अनुमति किसी पुरुष का प्रवेश वर्जित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। रेलगाड़ी की तरह दिखने वाली कक्षाओं में प्रवेश करती छात्राएं। स्कूल में खेल प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

सामाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की लड़कियों को एक सुरक्षित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नियामतपुर आज नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह विद्यालय अब शिक्षा से लेकर खेल तक अपनी छाप छोड़ रहा है। वर्ष 2013 में स्कूल की इमारत तैयार की गई थी। 2017 में सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पीछे दो छोटे कमरों व मात्र तीन स्टाफ सदस्यों के साथ इसकी शुरूआत हुई। साधन सीमित थे मगर लक्ष्य विशाल था। यह विद्यालय केंद्र व राज्य सरकार की एक साझा पहल थी, जो विशेष रूप से कक्षा छठी से 12वीं तक की उन बच्चियों के लिए है, जिनकी शिक्षा किसी कारणवश छूट गई थी। नियामतपुर गांव नारनौल मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर राजस्थान की सीमा से सटा हुआ है। इस स्कूल का माहौल ऐसा है मानो प्रकृति ने खुद अपनी गोद में शिक्षा का मंदिर बनाया हो। एक तरफ शांत जंगल, दूसरी ओर शिव मंदिर व गोशाला। यहां की हवा में पढ़ाई के साथ साथ एक अद्भुत शांति भी घुली हुई थी, जो बच्चियों के मन को सुकून दे रही है। स्कूल के साथ बना आवासीय हॉस्टल तो जैसे बच्चियों का दूसरा घर हो। साफ सफाई, शुद्ध और पौष्टिक भोजन, सुरक्षा और अनुशासन सब कुछ अव्वल दर्जे का। सुबह का नाश्ता हो या रात का खाना हर चीज डाइट चार्ट के हिसाब से मिलती हैं। यहां सब्जियां हॉस्टल के अपने किचन गार्डन से आती हैं। हॉस्टल परिसर इतना सुरक्षित है कि बिना अनुमति किसी पुरुष का प्रवेश वर्जित है। माता पिता भी सख्त नियमों का पालन करके ही अपनी बेटियों से मिल सकते हैं।

हरियाणा शिक्षा विभाग से रिटायर्ड हेडमास्टर विजय सिंह यादव ने 2021 में प्रधानाचार्य के रूप में नियुक्त होने के बाद विद्यालय ने एक नई दिशा पकड़ी। उन्होंने एक मिशन की तरह घर घर जाकर बच्चियों का दाखिला करवाया। जहां कभी शून्य छात्राएं थी वहां 82 बच्चियों ने एडमिशन लिया। उनकी मेहनत का फल पांच सितंबर 2022 को मिला जब महेंद्रगढ़ जिले में सबसे ज्यादा छात्रवृत्ति के लिए उपायुक्त ने उन्हें प्रशंसा पत्र दिया।

ट्रेन के डिब्बों जैसी दिखती हैं कक्षाएं

नियामतपुर का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सपनों की कस्तूरबा एक्सप्रेस है। यह स्कूल सीखने को रोमांचक बनाता है। जहां कक्षाएं ट्रेन के डिब्बों जैसी दिखती हैं। कस्तूरबा एक्सप्रेस और क्लास आठवीं के बोर्ड बच्चों में उत्साह भरते हैं। हर कक्षा एक नया अध्याय है, जैसे यात्री नए शहर में जाते हैं। शिक्षक ज्ञान की रेलगाड़ी के चालक हैं, जो सही राह दिखाते हैं। यहां हर दिन नई सीख मिलती है, छात्राएं मिलकर आगे बढ़ती हैं। यह विद्यालय समग्र विकास पर ध्यान देता है। खेल और कला भी सिखाता है। इस स्कूल ने शिक्षा को आकर्षक बनाकर सफलता की कहानी लिखी है। बच्चे खुशी से स्कूल आते हैं और सीखने का आनंद लेते हैं। यह शिक्षा के माध्यम से लड़कियों के जीवन में बदलाव ला रहा है। कस्तूरबा एक्सप्रेस एक साकार सपना है।

पंचकूला मुख्यालय से होती है निगरानी

सुरक्षा व स्वास्थ्य के मामले में भी कोई समझौता नहीं। पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिनकी लाइव निगरानी पंचकूला मुख्यालय से होती है। रात में पुलिस की दो बार गश्त और चौकीदार की ड्यूटी यह सुनिश्चित करती है कि बच्चियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। चारों ओर ब्लेडेड तार की बाउंड्री और हैलोजन लाइटें परिसर को अभेद्य बनाती हैं। स्वास्थ्य विभाग साल में एक बार मुफ्त चेकअप कैंप भी लगाता है, जो बच्चियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखता है, जो बिल्कुल मुफ्त होता है।

ये है विद्यालय में दाखिले की नीति

यहां अनाथ बच्चियों, एससी, बीसी, बीपीएल, सिंगल गर्ल चाइल्ड और अनेक बालिकाओं वाले परिवारों की बेटियों को प्राथमिकता दी जाती है। कोविड के दौरान माता पिता गंवाने वाली बच्चियों के लिए भी यह विद्यालय एक नई आशा बना।

विद्यालय ने जीती 50 हजार की राशि

आज यह स्कूल चारों ओर से हरे भरे पौधों, फूलों व औषधीय पौधों से घिरा हुआ है। इस विद्यालय को मुख्यमंत्री सौंदर्यीकरण योजना के तहत विद्यालय को 50 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई। यह विद्यालय हरियाणा सरकार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता हुआ एक ज्वलंत उदाहरण है। यहां सिर्फ किताबें ही नहीं पढ़ाई जाती, बल्कि प्रकृति से जुड़ाव भी सिखाया जाता है।

खेलकूद में राष्ट्रीय सफर

पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद में भी बेटियां पीछे नहीं हैं। विद्यालय में एक वॉलीबॉल नर्सरी चलाई जा रही हैं। जहां बच्चियां अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 श्रेणियों में अभ्यास करती हैं। नियामतपुर की खुशी ने तो नेशनल वॉलीबॉल में अपनी जगह बनाई। मोरूंड की अमीषा ने 80 मीटर बाधा दौड़ में स्टेट मेडल जीता और गोठड़ी की मानसी ने गोला फेंक प्रतियोगिता में भाग लिया।

सीएसआर के तहत पुस्तकालय व कंप्यूटर लैब का होगा नवीनीकरण: डीसी भारती

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि इस स्कूल के लिए ढांचागत सुविधाओं के लिए विशेष फोकस किया जा रहा है। पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया ने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहल के तहत जिला प्रशासन के साथ एक एमओयू साइन किया है। इसके तहत पावर ग्रिड ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नियामतपुर के लिए पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब के नवीनीकरण तथा उपकरणों की खरीद के लिए 3498885 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने का समझौता किया है। उन्होंने बताया कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नियामतपुर के लिए पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब के नवीनीकरण कार्य को बीएंडआर की ओर से पूरा करवाया जाएगा। यह कार्य लगभग एक वर्ष में पूरा करवा दिया जाएगा। इसमें सिविल कार्य बिजली की फिटिंग तथा इक्विपमेंट आदि पर खर्च किए जाएंगे।

नारनौल। बैठक में मौजूद सभा के कॉलेजियम सदस्य व चुनाव अधिकारी।

मनीष वशिष्ठ ने जारी किया श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा की शासकीय समिति का चुनाव कार्यक्रम

नारनौल। जिले की प्रतिष्ठित श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के त्रिवार्षिक चुनाव वर्ष 2025-2028 के लिए सभा के करीब 4200 सदस्यों ने अपने प्रतिनिधि के रूप में 87 कॉलेजियम सदस्यों को चुन लिया गया है। निर्वाचित कॉलेजियम सदस्यों की प्रथम बैठक मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई। जिसमें 87 में से 71 कॉलेजियम सदस्य उपस्थित थे। बैठक का प्रारंभ कॉलेजियम सदस्यों में सबसे बुजुर्ग देवदत्त शास्त्री ने भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पश्चात वशिष्ठ ने सभी निर्वाचित कॉलेजियम सदस्यों को समाज की बेहतरी में कार्य करने की शपथ दिलाई। सभी को निर्वाचन के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस मौके पर सहायक चुनाव अधिकारी संजय कौशिक, नरेश जोशी व अंजनी शास्त्री उपस्थित थे। बैठक में मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ ने सभा के अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति बनाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि समाज ने उन्हें इन त्रिवार्षिक चुनावों को सम्पन्न करवाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। जिसके एक चरण में कॉलेजियम सदस्यों का निर्वाचन हो चुका है। उन्होंने 56 निर्विरोध निर्वाचित कॉलेजियम वार्डों के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। जिन्होंने समाज हित में अपना प्रतिनिधि निर्विरोध चुनकर भेजा, साथ ही जिन 31 वार्डों में चुनाव हुए थे, उनके मतदाताओं को शांतिपूर्वक मतदान करने पर धन्यवाद दिया। बैठक में प्रधान पद के लिए सर्वसम्मति नहीं बन पाई।

जन्मदिन पर नागरिक अस्पताल में लगाया शिविर, 38 युवाओं ने रक्तदान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप के सचिव संदीप जैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार को ट्रॉमा सेंटर नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार व डॉ. राजवती यादव जिला महिला अध्यक्ष थी। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश यादव ने की। कार्यकम के संयोजक संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया थे। सभी अतिथियों को संस्था की ओर से पटका पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस रक्तदान में 38 युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि दुर्घटना ग्रस्त को सबसे पहले रक्त की जरूरत होती है, लेकिन रक्त मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध नहीं होता और न ही करोड़ों खर्च करके रक्त का उत्पादन नहीं किया जा सकता है। डॉ. राजवती यादव ने बताया कि मानव के शरीर में रक्त का निःशुल्क उत्पादन होता है। जिनके डोनेट करने पर ही पीड़ितों के जीवन की रक्षा हो पाएगी। रक्तदान करने वाले को बीपी, हार्ट व मोटापा जैसी बीमारियों से निजात मिलती है।

नारनौल। शिविर में रक्तदाता को बैज लगाते सीएमओ डॉ. अशोक कुमार।

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए चौथी काउंसलिंग आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम में दाखिले के लिए चौथी श्रेणीवार दाखिला व वेटिंग लिस्ट 21 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। दाखिला लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थी 22 जुलाई तक फीस भुगतान कर दाखिला ले सकेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि हकेवि में अध्ययन करने के इच्छुक विद्यार्थियों को चौथी लिस्ट के माध्यम से एक और अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन कर रहे डॉ. तेजपाल ढेवा ने बताया कि सीयूईटी (पीजी) 2025 के अंतर्गत जारी दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए चौथी दाखिला व वेटिंग लिस्ट 21 जुलाई, 2025 को जारी की जाएगी। दाखिला सूची में स्थान पाने वाले विद्यार्थी 22 जुलाई, 2025 तक आनलाइन माध्यम से फीस का भुगतान कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं। चौथी काउंसलिंग के बाद सीटें रिक्त रहने की स्थिति में वेटिंग लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थी 24 जुलाई, 2025 तक आनलाइन माध्यम से फीस का भुगतान कर दाखिला ले सकेंगे।

शराब ठेका अन्यत्र स्थानांतरण के लिए 16 दिनों से धरना जारी

मंडी अटेली। कस्बे के धन्नौदा रोड पर रिहायशी क्षेत्र में शराब ठेका स्थापित करने के विरोध में धरना-प्रदर्शन जारी है। रविवार को धरने ने 16वें दिन में प्रवेश कर लिया। ठेके के विरोध में वार्ड की महिला व पुरुष बड़ी संख्या में प्रतिदिन सुबह से लेकर शाम तक धरने-प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के अटेली आगमन पर ठेके को हटाने के लिए सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में मंत्री के द्वारा ठेके को हटाने के डीटीसी से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं, अब हमें पक्का यकीन हो गया है कि ठेका यहां से हटेगा। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि ठेका हटने के बाद ही धरना-प्रदर्शन खत्म होगा। ठेके को हटाने के लिए आर्य समाज अटेली के अलावा कस्बे के चेयरमैन संजय गोयल समेत सभी पार्षद यहां से ठेका हटाने की अपनी सहमति प्रदान कर चुके हैं तथा धरने को अपना समर्थन दे चुके हैं। रिटायर्ड गिरदावर बेद ने बताया कि ठेके विरोध में कस्बे के लोगों बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ मंत्री आरती सिंह राव को ज्ञापन सौंपा था। मंत्री ने उनकी बात को अच्छे तरीके से सुनकर आवश्यक कार्यवाही करने की बात कही थी।

विधायक मंजू चौधरी ने लगाया है आरोप, सरपंच ने भी धांधली की शिकायत दर्ज करवाई थी

नांगल पीपा के टैंक की फर्श व दीवारों में घटिया समाग्री लगाने का मुद्दा विधानसभा में उछलने के बावजूद प्रोजेक्ट की लीपापोती में जुटे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

विधायक मंजू चौधरी ने हलके में स्वीकृत वाटर टैंकों के निर्माण में अनियमिताएं बरतने और घटिया सामग्री लगाने का आरोप लगाया है। जिस कारण नांगल पीपा के टैंक की फर्श व दीवारों में नहरी पानी डालने से पहले ही दरार पड़ गई। परेशान सरपंच ने हलके के जिम्मेवारों व विभागीय अधिकारियों को धांधली की शिकायत दर्ज करवाई थी। बावजूद जांच या कार्रवाई नहीं होना विचारणीय है। जिससे सरकार के पारदर्शी शासन व्यवस्था के दावों की पोल खुल रही है। इस संदर्भ में विधानसभा सत्र के दौरान सदन में सरकार से जबाब मांगा जाएगा।

उन्होंने कहा कि नांगल चौधरी हलके को डार्कजोन में शामिल किया गया है। यहां अधिकांश गांव नहरों से अटेच नहीं, पेयजल के लिए भी ग्रामीणों को इधर उधर भटकना पड़ रहा है। दोहान पच्चीसी, नलवाटी व पहाड़ों के साथ लगते गांवों में गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न होने का खतरा बढ़ गया। बीते विधानसभा सत्र के दौरान सदन की मार्फत सरकार को विकास कार्यों में बरती गई धांधली से अवगत कराते हुए 10 साल के कार्यकाल में पेयजल व्यवस्था पर खर्च हुए बजट का ब्यौरा मांगा था। कहा था कि करोड़ों खर्च करने के बावजूद लोगों को 70 लीटर प्रति व्यक्ति से औसत से पानी नहीं मिल पाया है। हलके के कई गांवों में तो वाटर टैंकरों से पानी सप्लाई होता है। इस सवाल के संदर्भ में जनस्वास्थ्य मंत्री ने 107.70 करोड़ बजट खर्च होने की जानकारी दी। उन्होंने सदन को आश्वासन दिया था कि निर्माण कार्यों में धांधली बर्दाश्त नहीं होगी तथा शिकायत में अंकित सभी वाटर टैंकों जांच कराई जाएगी, लेकिन लंबा समय बीतने के बावजूद वाटर टैंक निर्माण में धांधली की जांच उजागर नहीं हुई है। अनियमिताओं पर पर्दा डालने के लिए नांगल पीपा टैंक की रिपेयर कराई गई है, लेकिन रिपेयर के दौरान सरपंच को अंधेरे में रखा, ताकि रिपेयर में भी धांधली को अंजाम दिया जा सके।

विधायक ने बताया कि निर्माण प्रक्रिया में घटिया क्वालिटी वाली सीमेंट का इस्तेमाल किया गया है। टैंकों की तलहटी व दीवार में दरार पड़ने के कारण अभी तक पानी भरना संभव नहीं हो पाया है। विधानसभा सत्र चलने पर सरकार से भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच रिपोर्ट व कार्रवाई प्रक्रिया की प्रोग्रेस सूचना मांगी जाएगी।

भ्रष्टाचार बढ़ने से जनता परेशान

विधायक मंजू चौधरी।

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि नांगल पीपा, नारेड़ी, गोद बलाहा समेत चार वाटर टैंकों का मैने स्वयं निरीक्षण किया था। उस दौरान तलहटी में दरार तथा दीवार भुरभुराने के कगार पर थी। जिसमें पानी का ठहराव नहीं होता है और ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार को भ्रष्टाचार की चेन को उजागर करना चाहिए।

रौब दिखाता है ठेकेदार

सरपंच नरेश कुमार ने बताया कि ग्रामीणों को पानी की सुविधा मिलने से पहले ही वाटर टैंक का फर्श जमीन में धंस गया था। दीवारों में भी दरार पड़नी आरंभ हो गई थी, जिस कारण पानी का ठहराव नहीं हो पाता। विधानसभा में टैंक निर्माण का मामला उछलने के बाद ठेकेदार ने नाममात्र की रिपेयर कराई है। उन्होंने बताया कि ठेकेदार को उच्च क्वालिटी की सामग्री लगाने को कहा गया था, लेकिन उन्होंने राजनीतिक पावर होने की धौंस दिखाते हुए चुप रहने की हिदायत दे दी।

घटिया सामग्री से आक्रोशित ग्रामीण कर चुके रोष प्रदर्शन

टैंक निर्माण के दौरान नांगल पीपा के ग्रामीणों ने घटिया सामग्री पर सवाल उठाए थे। निर्माण स्थल पर पहुंचकर रोष प्रदर्शन करते हुए काम भी रूकवाया था, लेकिन अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायत को नजरंदाज कर दिया। जिसके परिणामस्वरूप खर्च किया गया करोड़ों का बजट बेकार साबित हो गया है।

कथा में सुनाया रुक्मणी कृष्ण विवाह का प्रसंग

नारनौल। दौंगड़ा जाट गांव में आयोजित की जा रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में छठे दिन रुक्मणी कृष्ण विवाह का प्रसंग सुनाया गया। कथावाचक ज्योतिस्वरूपा ने संगीतबद्ध भजनों के माध्यम से रूक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा सुनने से भ्रम दूर होता है, कष्ट और दुख नष्ट होते हैं तथा परिवार व समाज में खुशियां आती हैं। इस दौरान प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल ने पहुंचकर कथा श्रवण किया तथा व्यासपीठ पर विराजमान ज्योतिस्वरूपा का शॉल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने श्रद्धालु महिलाओं से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में सहयोग देने की अपील की। इस मौके पर सतीश शर्मा, नवीन कुमार, बलबीर सिंह, गूगनराम, सचिन शर्मा, दिनेश, राजेंद्र, विजय कुमार, लीलाराम, शंकर सिंह, राजेश देवी, शकुंतला, कांता, सरिता, सुशीला, उर्मिला, राजवंती, यशवंती, पवन धनखड़, भागसिंह चेयरमैन, कैलाश सेठ आदि श्रद्धालु उपस्थित थे।